

विशेष अतिथि के रूप में डॉ. विजय कुमार मिश्रा के द्वारा प्रारंभ किया गया।

स्टेथोस्कोप का आधुनिक संस्करण है ईको-कार्डियोग्राफी



कार्यशाला में मौजूद प्रतिभागी चिकित्सक।

जासं, रांची : भगवान महावीर मेडिका सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जीएच ग्लोबल हेल्थ एसोसिएशन, लीड्स यूनिवर्सिटी यूके और आइएससीसीएम (इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय ईको कार्डियोग्राफ कार्यशाला का समापन बुधवार को हो गया।

कार्यशाला के दोनों सत्र लीड्स यूनिवर्सिटी यूके की डॉ. जेन फोस्टर के नाम रहे। उन्होंने प्रतिभागी डॉक्टरों से कहा कि ईको-कार्डियोग्राफी को स्टेथोस्कोप का आधुनिकतम संस्करण कहा जा सकता है। इसके जरिए डॉक्टर महज हृदय की धड़कन सुन सकते हैं। जबकि ईको-कार्डियोग्राफी में हृदय, उसकी शक्ति, उसका आकार, उसकी पंपिंग क्षमता और स्थान, यहां तक कि उसके ऊतकों के लिए किसी भी सीमा तक क्षति सहित अन्य समस्याएं दिखेंगी। उन्होंने कहा कि बच्चे, जवान, बुजुर्ग, पुरुष और महिला सभी की ईको-कार्डियोग्राफ की जा सकती है। यहां तक कि गर्भ में पल रहे बच्चे का भी। डॉ. फोस्टर

ईको-कार्डियोग्राफी कार्यशाला का समापन

ने कहा कि ईको-कार्डियोग्राफी ऐसी उपयोगी मशीन है, जिसके जरिए न केवल हृदय रोग की जल्दी पहचान हो जाती है बल्कि जल्द उपचार में भी मदद मिलती है। इसका सबसे ज्यादा फायदा अस्पताल में भर्ती मरीजों को मिलता है। क्योंकि पोर्टेबल ईको-मशीन ने बेड साइड ईको-कार्डियोग्राफ को संभव बना दिया है।

इसमें कोई जोखिम या साइड इफेक्ट भी नहीं है। कार्यक्रम के निदेशक और भगवान महावीर मेडिका सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में क्रिटिकल केयर विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार मिश्रा के अनुसार इस कार्यशाला से कार्डियोलॉजी, जेनरल मेडिसिन, इमरजेंसी और आइसीयू में काम करने वाले डॉक्टर सबसे अधिक लाभान्वित हुए। अस्पताल आनेवाले दिनों में डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ के कौशल विकास के लिए इस तरह का और भी कार्यक्रम आयोजित करेगा।

मं मिला अवार्ड



रांची : रांची के प्रणामी एस्टेट्स आयोजित बर्ज रियल एस्टेट अवाड खिताब से नवाजा गया है। का प्रोजेक्ट संतुष्टि के लिए मिला है। डायरेक्टर विजय कुमार अग्रवाल की कई विदेशी कंपनियां भी शा स्मार्ट सिटी पर पैनेल डिस्कशन

तानपुरा के साथ



संगीत कार्यशाला में जानकरी जागरण संवाददाता, रांची : देवी मं नृत्य एवं चित्रकला केंद्र, सहजानंद चो चल रही है। बुधवार को गायन का सिखाया गया। तानपुरा के साथ अ गायकी बताई गई। इस विधा में हिंदु अंगों की गायकी होती है। युवाओं ने लिया भ्रम : कार्यशाला सिखाने वाले गुरु पंडित सतीश शर्मा कार्यशाला में भाग ले रहे हैं यश (तानपुरा), सायनी बोस (हारमोनि प्रियका कुमारी, प्रीति देवधरिया, अ पाठक, प्रेरणा कुमारी, मोनिका चौध तत्कार, टुकड़ा, तोडा एवं तबले के त थे श्रीजन, प्रगति पाडेय, तनीषा मंड इसी तरह चित्रकला में रंग बनाना, सिखाया गया। प्रीति सिन्हा ने कला